अर्हम्

श्री हिन्दी-जैन-साहित्य-उत्कर्ष-ग्रन्थमाला पुष्प १

नमः श्री पार्श्वनाथाय

कलिकाल सर्वज्ञ श्री हेमचन्द्राचार्य विरचित

त्रिषष्टी शलाका पुरुष चरित्र का

प्रथम पर्व

श्री आदिनाथ चरित्र

हिन्दीभाषानुवादक—

जैनाचार्य श्रीयुत् जयसूरीश्वरजी महाराज के शिष्य

मुनिराज श्री प्रतापमुनिजी

प्रकाशक—

जैन-स्वयं सेवक मण्डल व पं० काशीनाथ जैन कलकत्तेवाला

नं० ७, मोरसलीगली इन्दौर सिटी

प्रथमवार २५००　　　　[मूल्य ४) रुपया ।